SYLLABUS
FOR
POST-GRADUATE PROGRAMME
IN HINDI
(Master of Arts (M.A.)

Learning Based Outcomes

SESSION-2021-2022

हिन्दी विभाग

SCHOOL OF HINDI
गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय

GANGADHAR MEHER UNIVERSITY
अमृत विहार, सम्बलपुर, ओड़िशा(भारत)-768004

Amrut Vihar, Sambalpur, Odisha(India)-768004

हिन्दी विभाग

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, अमृत विहार, सम्बलपुर

School of Hindi

Gangadhar Meher University, Amruta Vihar, Sambalpur

दृष्टि(विजन)

VISION

- भाषा और साहित्य के अध्ययन द्वारा सामाजिक और सांस्कृतिक एकता की स्थापना
- To establish Social & cultural unity through language & literature

अभियान(मिशन)

MISSION

- अद्यतन पाठ्यक्रम को अपनाकर सांस्कृतिक विरासत को समझना
- Understanding of cultural heritage & adoption of up-to-date curriculum

- लोकाभिमुखी और लोक मंगल से जुड़े शोध कार्यों में निरंतर जुड़े रहना
- constantly involvement in people oriented research work

- व्यावहारिक और कर्माभिमुखी पाठयक्रम पर बल देना
- Emphasis on a practical and job oriented curriculum

- भारत वर्ष की विभिन्न भाषा और संस्कृति की पृष्ठभूमि में साहित्य का अध्ययन
- Study of literature in the background of different language and culture of India

कार्यक्रम के उद्देश्य

PROGRAMME OBJECTIVES

विभाग के घोषित दृष्टिकोण और मिशन को पूरा करने के लिए, एम.ए(हिन्दी) कार्यक्रम का पाठ्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया गया है

In order to fulfill the Department's stated vision and mission, the syllabi of M.A.(Hindi) programme have been accomplish the following objectives

1. शैक्षणिक उत्कृष्टता 1. ACADEMIC EXCELLENCE	* अनुसंधान, सेमिनार और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को हिंदी साहित्य और भाषा में नवीनतम रुझानों से परिचित कराना। * छात्रों को प्रभावी शिक्षाशास्त्र के माध्यम से स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर समकालीन विकास के बारे में जागरूक होने और अनुकूलित करने में सक्षम बनाना साथ ही पाठ्यचर्या और पाठ्यचर्या दोनों पहलुओं में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
2. **व्यावसायिक उत्कृष्टता**	* स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक और अन्य संस्थानों में नेतृत्व लेने के लिए छात्रों को तैयार करना।

2.PROFESSIONAL EXCELLENCE	* उत्पादक भूमिका निभाने और जीवन भर सीखने की आदत विकसित करने के लिए छात्रों की क्षमता निर्माण।
3.सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक 3.SOCIALLY RESPONSIBLE CITIZENS	* छात्रों के समाजीकरण के लिए एक मंच प्रदान करके उनमें नागरिक जिम्मेदारी, सामाजिक चिंता और प्रतिबद्धता और नैतिक जवाबदेही की भावना पैदा करना। * विद्यार्थियों को सामाजिक मुद्दों जैसे प्रकृति, मानविकी, मानवाधिकार, मानवीय मूल्य, संस्कृति और पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारियाँ, नैतिकता, शासन आदि से परिचित कराना।
4. मूल्य आधारित संपूर्ण विकास 4. VALUE BASED HOLISTIC DEVELOPMENT	* गुणवत्तापूर्ण, आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में जागरूकता बढ़ाकर समाज में उनकी बदलती भूमिका के बारे में जागरूक करना। * उचित शिक्षा और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करना।

Post Graduate Programme Structure
SCHOOL OF HINDI
G.M. University, Sambalpur

Post graduate programme comprising two years, will be divided into 4 (four) semesters each of six months duration.

Year	Semesters	
First Year	Semester I	Semester II
Second Year	Semester III	Semester IV

There are twenty-two (22) papers each of 4 credits amounting to 88 credits in total.
The detail of title of papers, credit hours, division of marks etc. of all the papers of all semesters is given below.
There will be two elective groups namely:

- ❖ Discipline Specific Elective in Sem II.
- ❖ Interdisciplinary Elective in Sem III.

1. A student has to select one of the DSE paper in Sem II and one of the papers in Sem III as offered by the respective department at the beginning of the semester II and semester III respectively.
2. Each paper will be of 100 marks out of which 70 marks shall be allocated for semester examination and 20 marks for Mid Term Examination an 10 marks for internal assessment.
3. There will be four lecture hours of teaching per week for each paper.
4. Duration of examination of each paper shall be three hours.

5. Pass Percentage:

- The minimum marks required to pass any paper shall be 40 percent in each paper and 40 percent in aggregate of a semester.
- No students will be allowed to avail more than three (3) chances to pass in any paper inclusive of first attempt.

Part-I : Semester-I

Sl No.	Papers			Marks		Total Marks	Duration (Hrs)	Credit Hours
	Paper No	Title	Mid Term	Internal assessment	End Term			
1	101	हिन्दी भाषा और उसका विकास	20	10	70	100	3	4
2	102	भारतीय काव्य शास्त्र और आलोचना	20	10	70	100	3	4
3	103	हिन्दी साहित्य का इतिहास-1	20	10	70	100	3	4
4	104	आदिकालीन काव्य और भक्ति काव्य	20	10	70	100	3	4
5	105	रीति काव्य	20	10	70	100	3	4
	Total					500		20

Part-I : Semester-II

	Papers			Marks		Total Marks	Duration (Hrs)	Credit Hours
	Paper No	Title	Mid Term	Internal assessment	End Term			
6	201	भाषा विज्ञान	20	10	70	100	3	4
7	202	हिन्दी साहित्य का इतिहास-2	20	10	70	100	3	4
8	203	आधुनिक काव्य-1	20	10	70	100	3	4
9	204	कथा साहित्य- 1	20	10	70	100	3	4
10	205	पाश्चात्य काव्य चिंतन	20	10	70	100	3	4

		DSE Papers*						
11	206(A)	प्रेमचंद	20	10	70	100	3	4
	206(B)	तुलसीदास	20	10	70	100	3	4
	206(C)	जय शंकर प्रसाद	20	10	70	100	3	4
	Total					600		24

*Discipline Specific Elective Paper. Any one paper can be opted by students of this Department

Part-II : Semester-III

Sl No	**Papers**			**Marks**		**Total Marks**	**Duration (Hrs)**	**Credit Hours**
	Paper No	Title	Mid Term	Internal assessment	End Term			
12	301	आधुनिक काव्य-2	20	10	70	100	3	4
13	302	कथा साहित्य- 2	20	10	70	100	3	4
14	303	दलित साहित्य	20	10	70	100	3	4
15	304	शोध प्रविधि	20	10	70	100	3	4
16	305	हिन्दी नाटक और एकाँकी	20	10	70	100	3	4
		IDSE Papers**						
17	306(A)	प्रयोजनमूलक हिन्दी	20	10	70	100	3	4
	306(B)	तुलनात्मक साहित्य	20	10	70	100	3	4
	306(C)	हिन्दी पत्रकारिता	20	10	70	100	3	4
	Total					600		24

**Inter Discipline Specific Elective Paper. Any one paper can be opted by students of other Departments.

Part-II : Semester-IV

Sl No.	Papers			Marks		Total Marks	Duration (Hrs)	Credit Hours
	Paper No	Title	Mid Term	Internal assessment	End Term			
18	401	हिन्दी आलीचक और आलोचना	20	10	70	100	3	4
19	402	निबंध तथा अन्य गद्य विधाएं	20	10	70	100	3	4
20	403	हिन्दी महिला कथाकार	20	10	70	100	3	4
21	404	भारतीय उपन्यास	20	10	70	100	3	4
22	405	लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत एवं (मौखिकी)			100	100	3	4
	Total					500		20
	22 Papers	**Grand Total**				**2200**		**88**

Programme Outcomes(Hindi)

1)To make the students competent in various walks of life

2)To make the students job ready and enhance their employability.

3)To make the students aware of and responsible towards gender, religion, and class equality

4)To enhance critical thinking by making them participate in social activities and imbibe human values among them.

5)To encourage the students to participate in research at different levels through projects, interviews, surveys and field visits.

Program Specific Outcomes

On completion of M.A Hindi, students will be able :

1) To understand the basic concept and subject of Hindi and its origin.

2) To make or not the importance of subject Hindi and its Branches.

3) To understand various aspects of Hindi literature with the process of reaching a method and giving a new mode and direction.

4) To make an attempt in different areas and theory such as vocabulary and vice versa.

5) To understand the Literature more in a border area then may be confined to the subject.

6) To know about Hindi literature its roots cause perspectives and methods.

7) Elaborating and understanding its philosophical methods of Hindi Literature.

8) Evaluating the concept of Hindi from past to present and making the society more closely through literature.

9) To understand how Hindi is a language of Gyan aur Vigyan ki bhasha.

10) To understand it also a profession.

Mapping of Program Specific Outcomes (PSOs) with Program Outcomes (POs)

0 – No relation 1- Low relation 2- Medium relation 3–High relation

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	Total
PSO1	1	3	1	0	2	1	1	1	0	1	11
PSO2	1	2	1	1	3	3	2	3	2	2	18
PSO3	2	2	1	0	3	3	2	1	2	2	18
PSO4	1	1	3	0	1	1	1	3	1	3	15
Total	5	6	6	1	6	8	6	8	5	8	62

SEMESTER-I

Paper-101

हिंदी भाषा और उसका विकास

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. हिन्दी भाषा और उसके विकास, हिन्दी प्रचार आंदोलन, विविध रूप का इतिहास जान पाएंगे।
2. इसके द्वारा इतिहास के प्रति छात्रों की रुचि बढ़ेगी।
3. पुरानी हिन्दी भाषा एवं साहित्य विषय पर नई अवधारणा बनेगी।
4. साथ ही अन्य भाषाओं के साथ हिन्दी की तुलना कर पाएंगे।

UNIT-I

- अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का सम्बन्ध

- काव्य भाषा के रूप में अवधी का उदय और विकाश
- काव्य भाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास

UNIT-II

- साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ीबोली हिंदी का उदय और विकास
- गानक हिंदी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत)
- हिंदी की बोलियाँ वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और मानकीकरण

UNIT-III

- हिंदी प्रचार के आन्दोलन, प्रमुख व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिंदी

UNIT-IV

- हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप बोली, मानक भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिंदी

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. भाषा- विज्ञान एवं भाषा- शास्त्र- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
2. हिन्दी भाषा - डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी उद्भव, विकास और रूप- डॉ.हरदेव बाहरी, किताब महल पुब्लिशर्स, नई दिल्ली
4. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास- संजय सिंह बघेल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Paper-102

भारतीय काव्य शास्त्र और आलोचना

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. भारतीय काव्य शास्त्र का इतिहास जान पाएंगे।
2. काव्य शास्त्र के सिद्धांत, आचार्यों का मत एवं स्थापना को समझ पाएंगे।

3. इससे छात्रों में काव्यशास्त्र को लेकर रुचि बढ़ेगी।
4. प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य के तात्विक विवेचन में शोधार्थियों को यह सहायक होगा।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के काव्यशास्त्रीय तुलनात्मक अध्ययन को प्रोत्साहन मिलेगा।

UNIT-I

- काव्य स्वरूप, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, शब्द शक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप, काव्य गुण, काव्य दोष, रीति के पप्रका

UNIT-II

- प्रमुख सिद्धांत - रस रस के अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, भरतमुनि का रस सिद्धांत और उसके प्रमुख व्याख्याकार अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य

UNIT -III

• अलंकार - यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, अतिश्योक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टान्त, उदाहरण, प्रतिवस्तुपमा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना, असंगति, विरोधाभास

UNIT-IV

• हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास, आधुनिक हिंदी आलोचना के प्रमुख आलोचक - **रामचंद्र शुक्ल** और रस-दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा, **नन्ददुलारे वाजपेयी** -सौष्ठववादी आलोचना, **रामविलास शर्मा** - मार्क्सवादी आलोचना

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1.हिंदी आलोचना का विकास मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन

2.भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी-आलोचना रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

3.हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन

4. हिन्दी आलोचना डॉ. सदन कुमार पाल, शबनम पुस्तक महल, कटक।
5. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, काशी।
6. आलोचना से आगे सुधीश पचौरी।
7. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द डॉ. बच्चन सिंह।
8. हिन्दी आलोचना का विकास नन्दकिशोर नवल।

Paper-103

हिंदी साहित्य का इतिहास-1

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग -1 में प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत की राजनीतिक, समाजाजिक व्यवस्था एवं आर्थिक चिंताधारा को समझ पाएंगे एवं भविष्यत में सचेत रहेंगे।
2. आदिकालीन भारत में हिन्दी साहित्य को समझ पाएंगे।
3. मध्यकालीन भारत में हिन्दी साहित्य को समझ पाएंगे।
4. भक्तिलीन हिन्दी साहित्य को समझ पाएंगे।
5. रिटिकलीन हिन्दी साहित्य को समझ पाएंगे।

UNIT-I

- हिंदी साहित्य का इतिहास-दर्शन, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन पद्धतियाँ, प्रमुख इतिहास ग्रन्थ, प्रमुख साहित्यिक केंद्र संस्थाएँ एवं पत्र- पत्रिकाएँ, काल निरूपण और नामकरण

UNIT-II

- **आदिकाल**

हिन्दी साहित्य का आरम्भ, रासो साहित्य, आदिकालीन हिंदी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरंभिक गद्य तथा लौकिक साहित्य

- **मध्यकाल**

भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक और सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण और सगुण संप्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार संत, प्रमुख संप्रदाय और आचार्य

UNIT-III

- भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका आन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य
- हिंदी संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि - कबीर, नानक, दादू, रैदास, संतकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना में संत कवियों का स्थान
- हिन्दी सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य - मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, जायसी, सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिंदी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ
- हिंदी कृष्ण काव्य - विविध समुदाय, वल्लभ संप्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्णभक्त कवि और काव्य सूरदास, नंददास, रसखान, भ्रमरगीत परंपरा, गीति परंपरा, हिंदी कृष्ण काव्य
- हिंदी रामकाव्य - विविध संप्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रूप और उनका महत्व

UNIT-IV

- **रीतिकाल**

रीतिकाल का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि - केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, धनानंद और पद्माकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।

3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भारतीय चिंतन परंपरा- के.दामोदरन।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वाष्णेय, लोकभरती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ. रामकुमार वर्मा, नेशनल प्रेस, प्रयागराज।
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

Paper-104

आदिकालीन काव्य और भक्ति काव्य

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य के माध्यम से उस समय की साहित्य कला, प्रवृत्ति को समझ पाएंगे।
2. साथ ही हिन्दी के भक्तिकालीन महान कवियों को क्यों महान कहा जाता है जान पाएंगे।
3. हिन्दी की प्रसिद्ध रचनाओं के महत्व को समझ पाएंगे ।
4. सुरदास, बिहारी, तुलसीदास की प्रसिद्ध रचनाओं के महत्व को समझ पाएंगे ।

UNIT-I

- भक्तिकाव्य की पूर्व-पीठिका, सिद्ध-जैन साहित्य, भक्तिकाव्य का स्वरूप, भेद, निर्गुण-सगुण का सम्बन्ध, साम्य और वैषम्य

UNIT-II

(क)पृथ्वीराज रासो - शाशिव्रता विवाह खंड, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख)विद्यापति की पदावली, सं. रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, वाराणसी

(वसंत खंड)

UNIT-III

(क) कबीर - सं. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी दोहा सं. - 160-200

(ख) जायसी ग्रंथावली - सं. रामचंद्र शुक्ल नागमती वियोग खंड

UNIT-IV

(क)सूरदास - भ्रमरगीत सार सं. रामचंद्र शुक्ल - 21-50

(ख)तुलसीदास - रामचरितमानस (केवल उत्तरकाण्ड)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भारतीय चिंतन परंपरा- के.दामोदरन।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वाष्णेय, लोकभरती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ. रामकुमार वर्मा, नेशनल प्रेस, प्रयागराज।

Paper-105

रीतिकाव्य

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. भारत के उत्तर मध्यकाल में भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं कला संस्कृति की स्थिति को समझ पाएंगे।
2. काव्य कला को समझ पाने में समक्ष होंगे
3. रीति सिद्ध, रीति बद्ध एवं रीति मुक्त क्या है उसे समझ पाएंगे।
4. हिन्दी रिटिकलीन प्रसिद्ध रचनाओं के महत्व को समझ पाएंगे ।
5. बिहारी, केशव, घननंद, भूषण की प्रसिद्ध रचनाओं के महत्व को समझ पाएंगे ।

UNIT-I

- रीतिकाव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विविध काव्य- धाराएँ

UNIT-II

(क)**केशव** - प्रारंभ के 50 पद रीतिकाव्य संग्रह - सं विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(ख) केशव का आचार्यत्व, काव्य-दृष्टि, संवाद योजना

UNIT-III

(क)**बिहारी**-रत्नाकर - प्रारंभ के 30 दोहे

(ख)बिहारी की सौंदर्य-भावना, बहुज्ञता, काव्य कला

UNIT-IV

(क)**घनानंद** - पद 1-20 तक रीतिकाव्य संग्रह - सं विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(ख)**घनानंद** - स्वछन्द-योजना, प्रेम व्यंजना, काव्य-दृष्टि

(ग)भूषण - युगबोध, अंतर्वस्तु, काव्य कला

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल महेन्द्र कुमार।
3. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, हिंदी साहित्य-कुटीर, बनारस।
4. धनानन्द और स्वच्छन्द काव्य धारा मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

SEMESTER-II

Paper-201

भाषा विज्ञान

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. भारतीय एवं हिन्दी साहित्य की भाषा एवं व्याकरण की प्राचीनता, बनावट, वैज्ञानिकता के प्रति पश्चिमी शोधार्थियों का ध्यान आकर्षण कर पाएंगे।
2. भाषा के निर्माण में ध्वनि, पद, अर्थ, वाक्य को समझ पाएंगे।

3. भाषा शोधार्थियों को यह सहायक होगा।
4. भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से एक से अधिक भाषाओं का तुलनात्मक शोध में यह सहायक होगा।
5. विश्व भाषा समूह का परिचय प्राप्त कर पाएंगे। शोध में प्रोत्साहन मिलेगा।

UNIT-I

• भाषा की परिभाषा और विविध रूप, भाषा का उद्भव और विकास, भाषा का वर्गीकरण

UNIT-II

- **ध्वनि-विज्ञान**

ध्वनि विज्ञान का स्वरूप और उपयोगिता, वाग्यंत्र का परिचय, स्वर और व्यंजन, हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण, प्रयत्न के आधार पर ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि गुण - मात्रा, आघात, बलाघात, स्वर या सुर, संगम या संधि

UNIT-III

• **ध्वनि परिवर्तन और अर्थ-विज्ञान**

(क)ध्वनि-परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम

(ख)अर्थ-विज्ञान का स्वरूप, अर्थ परिवर्तन- दिशाएँ और कारण

UNIT-IV

• **पद-विज्ञान और वाक्य विज्ञान**

(क)पद और शब्द, पद और वाक्य, पद और सम्बन्ध तत्त्व, अर्थ तत्त्व और सम्बन्ध तत्त्व का योग, पद-विभाग (Parts of Speech), रूप परिवर्तन के कारण

(ख)वाक्य विज्ञान वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1.भाषा- विज्ञान एवं भाषा- शास्त्र- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

2. . भाषा विजान की भूमिका देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दीः उद्द्भव, विकास और रूप हरदेव बाहरी, किताब महल, नई दिल्ली।
3. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा।
4. भाषा और समाज रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भाषा और लिपि का इतिहास- धीरेन्द्र वर्मा।
6. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. प्रेमणि शर्मा।
7. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी।

Paper-202

हिंदी साहित्य का इतिहास-2

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग -2 में आधुनिक भारत की राजनीतिक, समाजाजिक व्यवस्था एवं आर्थिक चिंताधारा को समझ पाएंगे एवं भविष्यत में सचेत रहेंगे।
2. हिन्दी गद्य साहित्य, हिन्दी पत्रकारिता के विकास को समझ पाएंगे।
3. छायावाद की प्रवृत्ति को समझ पाएंगे।
4. उपन्यास, नाटक, निबंध विधा को समझ पाएंगे।

UNIT-I

- **भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य**, 1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेंदु और उनका मंडल, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध की हिंदी पत्रकारिता
- **महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग**, हिंदी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्य-धारा और उनके प्रमुख कवि, स्वच्छंदतवाद और उसके प्रमुख कवि

UNIT-II

• **छायावादी काव्य** की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद के प्रमुख कवि, उत्तर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नयी कविता प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता

UNIT-III

- **प्रेमचंद पूर्व उपन्यास**,
- **प्रेमचंद और उनका युग**, प्रेमचंद के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार - जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रज़ा, रांगेय राघव, मन्नू भंडारी

• **बीसवीं सदी की हिंदी कहानी** और प्रमुख कहानी आन्दोलन

• **हिंदी नाटक और रंगमंच** विकास के चरण और प्रमुख नाट्यकृतियाँ -अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे

• **हिंदी एकांकी**

UNIT-IV

• हिंदी निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार रामचंद्र शुक्ल, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई

• हिंदी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक - रामचंद्र शुक्ल,नन्ददुलारे वाजपेयी, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह, विजयदेव नारायण आदि

- गद्य की अन्य विधाएं रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भारतीय चिंतन परंपरा- के.दामोदरन।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वाष्णेय, लोकभरती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ. रामकुमार वर्मा, नेशनल प्रेस, प्रयागराज।

8. नाटककार जयशंकर प्रसाद सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन।

9. हिन्दी नाटक बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. आधुनिकता और मोहन राकेश डॉ. उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
11. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच सं. नेमिचंद जैन।

Paper-203

आधुनिक काव्य-1

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. स्वतंत्रता पूर्व आधुनिक साहित्य के माध्यम से भारतीय साहित्य की कला एवं प्रवृत्ति को समझ पाएंगे।
2. साथ ही हिन्दी के आधुनिक कवियों को क्यों महान कहा जाता है जान पाएंगे।
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य में साकेत, कामायनी, राम की शक्ति पूजा का महत्व जान पाएंगे।
4. विभिन्न वादों पर सम्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

UNIT-I

(क) **साकेत**- नवम सर्ग

(ख) नवजागरण - काव्य भाषा के रूप में खड़ीबोली की प्रतिष्ठा, हरिऔंध और मैथिलीशरण गुप्त

UNIT-II

(क)**कामायनी** - श्रद्धा और इड़ा सर्ग

(ख)छायावाद की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि, वैचारिक पृष्ठभूमि, स्वाधीनता की चेतना, प्रसाद का जीवन-दर्शन, सांस्कृतिक दृष्टि, साहित्य चेतना

UNIT-III

(क)निराला - राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता

(ख)छायावादी काव्य पर गांधी प्रभाव, अंतर्धाराएं, राष्ट्रीय काव्य धारा, निराला की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि, प्रगीत चेतना, मुक्त छंद

UNIT-IV

- **पन्त** - आधुनिक कवि सुमित्रानंदन पन्त प्रथम 5 कविताएँ

महादेवी - आधुनिक कवि महादेवी वर्मा, प्रथम 5 कविताएँ

- **पन्त** - प्रकृति चित्रण, काव्य यात्रा, काव्य भाषा

महादेवी - वेदना तत्व प्रगीति, प्रतिक योजना

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -डॉ रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ नगेंद्र
3. हिन्दी काव्य संग्रह- केंद्रीय हिन्दी संस्थान आगरा
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भारतीय चिंतन परंपरा- के.दामोदरन।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभरती प्रकाशन, प्रयागराज।
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ. रामकुमार वर्मा, नेशनल प्रेस, प्रयागराज।

Paper-204

कथा साहित्य-1

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. साहित्य के विकास में गद्य साहित्य की भूमिका को समझ पाएंगे।
2. साथ ही प्रेमचंद विश्व प्रसिद्ध कथाकार क्यों है को समझ पाएंगे एवं पश्चिम शोधार्थियों को समझा पाएंगे।
3. प्रेमचंद, जैनेन्द्र, द्विवेदी अज्ञेय की प्रसिद्ध रचनाओं को समझ पाएंगे।
4. हिन्दी साहित्य के अमर उपन्यासों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

UNIT-I

- **गोदान** - प्रेमचंद
- गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ, प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, परीक्षा गुरु, चंद्रकांता वस्तु और शिल्प, गोदान मुख्य पात्र, यथार्थ और आदर्श, वस्तु- शिल्प वैशिष्ट्य

UNIT-II

- **सुनीता** - जैनेन्द्र कुमार

UNIT-III

- **शेखर : एक जीवनी**

UNIT-IV

- **वाणभट्ट की आत्मकथा**

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. 1. प्रेमचन्द और उनका युग रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. 2. हिन्दी उपन्यास - आचार्य रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
3. 3. प्रेमचन्द : एक विवेचन इन्द्रनाथ मदान।
4. 4. कहानीकार प्रेमचन्द रचनादृष्टि और रचना शिल्प शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिन्दी का गद्य साहित्य- रामचंद्र तिवारी
6. विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र ।
7. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा रामदरश मिश्र।
8. उपन्यास के पहलू ई. एम. फोस्टर।
9. आधुनिक हिंदी उपन्यास सं. भीष्म साहनी, राम जी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. मन्नू भण्डारी और आपका बंटी डॉ. मालविका

Paper-205

पाश्चात्य काव्य चिंतन

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. साहित्य के तात्विक विवेचन में पश्चिम काव्य चिंतन क्या है और पाश्चात चिंतक क्या सोचते हैं समझ पाएंगे।
2. साथ ही भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र चिंतन की तुलना कर पाएंगे।
3. पाश्चात्य कला अवधारणा को समझ पाएंगे। तात्विक विवेचन में शोधार्थियों को यह सहायक होगा।

UNIT-I

• काव्य का स्वरूप, प्लेटो और अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत तथा अरस्तु का विरेचन सिद्धांत, त्रासदी

UNIT-II

- **लॉजाइनस** - काव्य में उदात्त तत्व, क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद
- **वर्डसवर्थ** - काव्य भाषा सम्बन्धी अवधारणा

UNIT-III

- **कॉलरिज** - कल्पना सिद्धांत
- **आई.ए.रिचर्ड्स** सम्प्रेषण सिद्धांत, नयी समीक्षा

UNIT-IV

• मिथक, फंतासी, कल्पना, प्रतिक, बिम्ब, विडंबना, अजनबीपन, विसंगति, अंतर्विरोध, विखंडन

- स्वच्छंदतवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, और उत्तर आधुनिकतावाद

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत- गणपति चंद्र गुप्त
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन जगदीश चंद्र जैन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Paper-206 (A)

प्रेमचंद

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. प्रेमचंद साहित्य के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थिति को समझ पाएंगे।
2. प्रेमचंद को क्यों विश्व प्रसिद्ध कथाकार कहा जाता है उसे समझ पाएंगे।
3. प्रेमचंद की कालजयी रचनाओं की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
4. समाज पर उपन्यासों का प्रभाव जान पाएंगे।

UNIT-I

- **रंगभूमि**

UNIT-II

- **प्रेमाश्रम**

UNIT-III

- **कर्मभूमि**

UNIT-IV

- कहानियाँ - पंच-परमेश्वर शतरंज के खिलाड़ी, नशा, सवा सेर गेहूं, मंत्र, दो बेलों की कथा, बूढ़ी काकी, सुजान भगत, पूस की रात, कफन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कहानी संग्रह – प्रेनचंद

2. मनसरोवर भाग– 1 – प्रेमचंद
3. प्रेमचन्द और उनका युग रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी उपन्यास - आचार्य रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
5. प्रेमचन्द: एक विवेचन इन्द्रनाथ मदान।
6. कहानीकार प्रेमचन्द रचनादृष्टि और रचना शिल्प शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Paper-206 (B)

तुलसीदास

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. तुलसी साहित्य के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति को समझा जा सकता है।
2. तुलसी को क्यों विश्व प्रसिद्ध कवि कहा जाता है उसे समझ पाएंगे।
3. रामचारित मानस क्यों प्रासंगिक है समझ पाएंगे।
4. तुलसी साहित्य को समझ पाएंगे।

UNIT-I

- **रामचरितमानस (सुन्दरकाण्ड)**

UNIT-II

- **विनय पत्रिका** (1, 5, 7, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 111, 113, 114, 115, 121, 159, 160, 164, 165, 166, 167, 182, 201, 269, 272)

UNIT-III

- **कवितावली** - उत्तर काण्ड

UNIT-IV

- **गीतावली** (अरण्यकाण्ड)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1.तुलसीदास - रामचंद्र तिवारी

2. गोस्वामी तुलसीदास और उनकी लघु कृतियां -डॉ. चंद्रिका मिश्रा

3. तुलसीदास : डॉ. माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रयाग।

4. तुलसी और उनका युग डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल, काशी।

5. तुलसीः आधुनिक वातायन से रमेश कुन्तल मेघ।

6. गोस्वामी तुलसीदास की दृष्टि में नारी और महत्व - ज्ञानवती त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, काशी।

7. गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल

Paper-206 (C)

जयशंकर प्रसाद

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. जयशंकर प्रसाद के साहित्य के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति को समझा जा सकता है।
2. साथ ही हमारी वैदिक एवं प्राचीन संस्कृति को भी समझा जा सकता है।
3. प्रसाद की कालजयी रचनाएं कामायनी, स्कंदगुप्त, तितली उपन्यास और उनकी कहानियों को समझ पाएंगे।
4. प्रसाद की निबंध के माध्यम से छायावाद और यथार्थवाद को समझ पाएंगे।

UNIT-I

- **कामायनी** - श्रद्धा और इड़ा सर्ग

UNIT-II

- **तितली**
- निबंध - छायावाद और यथार्थवाद

UNIT-III

- **स्कन्दगुप्त**, ध्रुवस्वामिनी

UNIT-IV

- आकाशदीप, पुरस्कार, बेड़ी, मधुआ, छोटा जादुगर, आँधी, ममता, इंद्रजाल

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कहानी संग्रह - जयशंकर प्रसाद
2. जयशंकर प्रसाद ग्रन्थावली, भाग-१, संपादक- ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
3. प्रसाद का काव्य, डॉ॰ प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. नागरीप्रचारिणी पत्रिका, 'जयशंकर प्रसाद विशेषांक', वर्ष-९२-९४, संवत्-२०४४-४६ सं॰ शिवनंदनलाल दर एवं अन्य
5. प्रसाद की सम्पूर्ण कहानियाँ एवं निबन्ध, संपादन एवं भूमिका- डॉ॰ सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. प्रेमचंद रचनावली, खण्ड-9, भूमिका एवं मार्गदर्शन- डॉ॰ रामविलास शर्मा, संपादक- राम आनंद, जनवाणी प्रकाशन, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली
7. प्रसाद के सम्पूर्ण नाटक एवं एकांकी, संपादन एवं भूमिका- डॉ॰ सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. नाटककार जयशंकर प्रसाद, संपादक- सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

SEMESTER-III

Paper-301

आधुनिक काव्य-2

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वतंत्रता बाद आधुनिक साहित्य के माध्यम से भारतीय साहित्य की कला एवं प्रवृत्ति को समझ पाएंगे।
2. साथ ही हिन्दी के आधुनिक कवियों के योगदान को समझ पाएंगे।

3. प्रयोगवादी साहित्य को समझ पाएंगे।
4. दिनकर, नागार्जुन, अज्ञेय, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, मुक्तिबोध, कुंवर नारायण, रघुवीर सहाय, धूमिल जैसे रचनाकारों की कविता को समझ पाएंगे।

UNIT-I

प्रयोगवाद- व्यष्टि चेतना, प्रयोगधर्मिता, काव्य भाषा. **नई कविता** - व्यष्टि और समष्टि बोध, समाज बोध, फैंटेसी. **समकालीन कविता** - राजनैतिक चेतना, काव्य भाषा, प्रमुख कवि अज्ञेय, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, मुक्तिबोध, कुंवर नारायण, रघुवीर सहाय, धूमिल

UNIT-II

- **दिनकर** - उर्वशी (तृतीय सर्ग)

UNIT-III

- **अज्ञेय** - असाध्य वीणा, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी
- **नागार्जुन** - कालिदास से

UNIT-IV

- **मुक्तिबोध** - अँधेरे में
- **धूमिल** - मोचीराम

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी काव्य संग्रह- केंद्रीय संस्थान आगरा
3. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. निराला आत्महता आस्था दूधनाथ सिंह।
6. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे बाजपेयी।
7. महादेवी वर्मा जगदीश गुप्त ।

Paper-302

कथा साहित्य-2

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. कथा साहित्य के माध्यम से तत्कालीन समाज व्यवस्था, परिवार व्यवस्था, आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था को समझ पाएंगे।
2. यशपाल, श्रीलाल शुक्ल, रेणु की प्रतिनिधि रचनाओं की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
3. समाज पर उपन्यासों का प्रभाव जान पाएंगे।
4. कहानियों को समझ पाएंगे।

UNIT-I

- **दिव्या** - यशपाल

UNIT-II

- **राग दरबारी** - श्रीलाल शुक्ल

UNIT-III

- **मैला आँचल** - फणीश्वरनाथ रेणु

UNIT-IV

- हिंदी कहानी संग्रह सं. भीष्म सहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- भोर से पहले, वांङचु, खोई हुई दिशाएँ, जहाँ लक्ष्मी कैद है, कोशी का घटवार, प्रेत मुक्ति, परिंदे, त्रिशंकु

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रेमचंद और उनका युग रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र ।
3. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा रामदरश मिश्र।
4. उपन्यास के पहलू ई. एम. फोस्टर।

5. आधुनिक हिंदी उपन्यास सं. भीष्म साहनी, राम जी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मन्नू भण्डारी और आपका बंटी डॉ. मालविका ।
7. हिन्दी कहानी संग्रह- सं. भीष्म साहानी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
8. कहानी नयी कहानी
9. नामवर सिंह, लोकआरती प्रकाशन, प्रयागराज।
10. नयी कहानी की भूमिका कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. हिंदी कहानी का इतिहास गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. कहानी स्वरूप एवं संवेदना राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Paper-303

दलित साहित्य

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. भारतीय दलित साहित्य तथा हिन्दी दलित साहित्य के इतिहास को जान पाएंगे।
2. दलित साहित्य के प्रेरणास्रोत, उसका प्रभाव, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिवर्तन को समझ पाएंगे।
3. हिन्दी के दलित साहित्य समझ पाएंगे।
4. हिन्दी के प्रतिनिधि दलित साहित्य को समझ पाएंगे।

UNIT-I

- भारतीय दलित साहित्य का इतिहास, हिंदी के दलित साहित्य का इतिहास, अम्बेडकर चिंतन, बौद्ध दर्शन तथा हिन्दू दर्शन दलित साहित्य के सन्दर्भ में

UNIT-II

- **धरती धन न अपना**- जगदीश चंद्र

UNIT-III

- **जूठन** - ओमप्रकाश वाल्मीकि

UNIT-IV

नई सदी की पहचान- श्रेष्ठ दलित कहानियां सं. मुद्राराक्षस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

जीवन साथी, दाग दिया सच, अस्मिता लहू लुहान, बकरी के दो बच्चे

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1 दलित साहित्य एक मूल्यांकन- डॉ चमनलाल

2 दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र- ओम प्रकाश वाल्मिकी

3 दलित साहित्य के प्रतिमान : डॉ॰ एन॰ सिंह, प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

4 भारतीय दलित आंदोलन : एक संक्षिप्त इतिहास, लेखक : मोहनदास नैमिशराय, बुक्स फॉर चेन्ज

5 वीर भारत तलवार- दलित साहित्य की अवधारणा, चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य

Paper-304

शोध प्रविधि

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. इस पत्र के माध्यम से छात्र-छात्राएं शोध की प्रविधि पर सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
2. इससे उनके शोध कार्य सटीक हो सकेगा।
3. शोध कार्य में सहयोगी होगा।
4. रचनाओं के आलोचना, समीक्षा, अनुशील, परिशीलन करते समय सहायक होगा
5. परियोजना कार्य में सहायक होगा।

UNIT -I

- अनुसन्धान का स्वरूप अनुसन्धान के मूल तत्व, अनुसन्धान और आलोचना

UNIT-II

- अनुसन्धान के प्रकार विषय निर्वाचन सामग्री संकलन

UNIT-III

- शोध कार्य का विभाजन, रूप रेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, सहायक ग्रन्थ सूचि, सन्दर्भ, उल्लेख, पाद टिप्पणी

UNIT-IV

- साहित्यिक अनुसन्धान में ऐतिहासिक तथ्यों का उपयोग

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचि

1. शोध प्रविधि विनय- मोहन शर्मा, मधुर बुक्स
2. अनुसंधान प्रविधि सिद्धान्त और प्रक्रिया - एस.एन. गनेशन, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. मधु खरटे, डॉ. शिवाजी देवरे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
4. अनुसंधान का स्वरूप-डॉ. सावित्री सिन्हा, आत्माराम एंड सोन्स
5. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. सावित्री सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. शोध प्रविधि और प्रक्रिया- चंद्रभान रावत

Paper-305

हिंदी नाटक और एकांकी

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. नाटक और रंगमच क्या है समझ पाएंगे।
2. मनोरंजन के सशक्त माध्यम के रूप में नाटक एवं एकांकी की भूमिका महत्वपूर्ण क्यों उसे समझ पाएंगे।
3. साथ ही नाटकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति को भी समझ पाएंगे।

4. नाटक का समाज पर प्रभाव को जान पाएंगे।

UNIT-I

हिंदी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण की प्रमुख नाट्य कृतियों, हिंदी एकांकी का विकास

अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र

UNIT-II

- **चन्द्रगुप्त** - जयशंकर प्रसाद

UNIT-III

- **आधे-अधूरे** - मोहन राकेश
- **अंधा युग** - धर्मवीर भारती

UNIT-IV

- **एकांकी सप्तक** - सं. डॉ. निजामुद्दीन अंसारी और डॉ. अल्ताफ अहमद, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

स्ट्राइक, चारुमित्रा, सुखी डाली, बंदी, समरेखा-विषम रेखा

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिन्दी नाटक और एकांकी- डॉ शीतल, सुनीता त्रिपाठी
2. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास डॉ दशरथ ओझा, राजपाल पब्लिशिंग
3. नाटककार जयशंकर प्रसाद सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन।
4. हिन्दी नाटक बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आधुनिकता और मोहन राकेश डॉ. उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच सं. नेमिचंद जैन।

Paper-306 (A)

प्रयोजनमूलक हिंदी

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. छात्र-छात्राओं में आधुनिक काल के तकनीकी विकास, नए क्षेत्र का विकास, आधुनिक प्रयोजन में हिन्दी का उपयोग को समझ पाएंगे।
2. हिन्दी के विविध रूप को समझ पाएंगे।
3. कामकाजी हिन्दी को समझ पाएंगे।
4. पारिभाषिक शब्दावली समझ पाएंगे।

UNIT-I

- **हिंदी के विविध रूप** - राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

UNIT-II

- हिंदी के प्रायोगिक क्षेत्र-
- बैंकिंग क्षेत्र मे
- बीमा क्षेत्र में
- बाजारीकरण और हिंदी

UNIT-III

- **पारिभाषिक शब्दावली** की परिभाषा, विशेषताएँ, निर्माण प्रक्रिया, ज्ञान- विज्ञान के क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली

UNIT-IV

- **कार्यालयी हिंदी** के प्रमुख प्रकार्य टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता- डॉ दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी- डॉ एम ए मंजुनाथ
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना और अनुप्रयोग - राम प्रकाश, दिनेश पुप्त।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग दंगल झालते, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

Paper-306 (B)

तुलनात्मक साहित्य

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. तुलनात्मक साहित्य क्या है उसे समझ पाएंगे।
2. साथ ही उसकी प्रक्रिया, उससे लाभ एवं उसके क्षेत्र को समझा जा सकता है।
3. दो अलग-अलग भाषाओं को लेकर तुलनात्मक शोध कार्य को प्रोत्साहन मिलेगा।
4. तुलनात्मक शोध करनेवाले विद्यार्थियों को सहायक होगा।

UNIT-I

- तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा, क्षेत्र, सीमाएँ और उद्देश्य

UNIT-II

- तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न स्कूल, भारतीय साहित्य की संकल्पना

UNIT-III

- तुलनात्मक साहित्य की प्रविधियाँ
- राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और विश्व साहित्य की संकल्पना और तुलनात्मक साहित्य का अंतर्विद्यावती स्वरूप

UNIT-IV

हिंदी-ओड़िआ आधुनिक काव्य की तुलनात्मक रुपरेखा, हिंदी-ओड़िआ आधुनिक कथा साहित्य की तुलनात्मक रूपरेखा

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1.तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य- इन्द्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन

2. भारतीय तुलनात्मक साहित्य- इन्द्रनाथ चौधूरी, बाणी प्रकाशन

3. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - इंद्रनाथ चौधुरी

4. सर्जना और सन्दर्भ - अज्ञेय

5. तुलनात्मक साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
6. तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाएँ और साहित्य - डॉ.भ.ह.राजुरकर
7. Comparative Literature and Literary Theory-R.K.Dhawan(Ed.)
8. Comparative Literature - Nagendra(Ed.)
9. हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि -विनय कुमार पाठक, चिल्ड्रन बूक बैंक

Paper-306 (C)

हिंदी पत्रकारिता

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. समाज तथा साहित्य के विकास में पत्रकारिता की भूमिका को समझ पाएंगे।
2. हिन्दी साहित्य के विकास, स्वाधीनता आंदोलन को भी समझा जा सकता है।
3. साथ ही आधुनिक काल में पत्रकारिता प्रमुख रोजगार का माध्यम कैसे बन सकता है उसे समझ पाएंगे।
4. पत्रकारिता की बारिकी को समझ पाएंगे।

UNIT-I

- हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार

UNIT-II

जन संचार के विभिन्न माध्यम मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इलेक्ट्रोनिक माध्यम

UNIT-III

- प्रमुख पत्रिकाएँ - उदन्त मार्तंड, कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, हंस, मतवाला, प्रताप

UNIT-IV

समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन, समाचार लेखन कला, शीर्षक की संरचना, लीड, एंट्री व शीर्षक, सम्पादकीय लेखन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1..हिंदी पत्रकारिता का इतिहास - जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन

2.. हिंदी पत्रकारिता अस्वस्थि और आशंका -कृष्ण बिहारी मिश्र, प्रभात प्रकाशन

1. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास -अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
2. हिन्दी पत्रकारिता -राकेश दुबे, शबनम पुस्तक महल, कटक
3. हिन्दी पत्रकारिता -डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
4. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम - सं. वेद प्रदाप वैदिक
5. हिन्दी पत्रकारिता सिद्धान्त और स्वरूप - डा. सविता चड्ढा
6. पत्रकारिता सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दाशरथी बेहेरा, सोनम पुस्तक प्रकाशन, कटक

SEMESTER-IV

Paper-401

हिंदी आलोचक और आलोचना

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. विश्व तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी साहित्य का क्रम विकास पर ज्ञान प्राप्त होगा।
2. साहित्यिक आलोचना के लिए शोधार्थियों के लिए मार्गदर्शन मिलेगा।
3. इसके द्वारा विद्यार्थी आलोचना पद्धति को पहचान पाएंगे एवं साहित्य को नए आयाम में देखने का नजरिया बदलेगा।

UNIT-I

- **त्रिवेणी**- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

UNIT-II

हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

UNIT-III

- **प्रेमचंद** - डॉ. रामविलास शर्मा

UNIT-IV

- **दूसरी परंपरा की खोज**- डॉ. नामवर सिंह

साहित्यिक परिचय - आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, विजय देव नारायण साही

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना का विकास नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन
3. हिन्दी आलोचना का तत्व अजय वर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ
4. हिन्दी आलोचना का विकास मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन
5. भारतीय व पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी-आलोचना रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
6. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन
7. हिन्दी आलोचना के आधार स्तंभ - रामेश्वर खंडेलवाल, सुरेशचंद्र गुप्त
8. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन

Paper-402

निबंध तथा अन्य गद्य विधाएं

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. साहित्यिक निबंध के माध्यम से छात्र-छात्राओं के व्यक्ति, समाज, समूह, देश को देखने का नजरिया में परिवर्तन आएगा।
2. इसके माध्यम से वस्तु, जीव, मनुष्य को आंतरिक रूप से देखने, सौंदर्य का अनुभव करने, उसके कर्म करने की क्षमता आदि के बारे में पता चलेगा।

UNIT-I

साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है- बालकृष्ण भट्ट

श्रद्धा-भक्ति आचार्य रामचंद्र शुक्ल

UNIT-II

अशोक के फूल - हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

तमाल के झरोखे से- विद्यानिवास मिश्र

वैष्णव की फिसलन - हरिशंकर परसाई

UNIT-III

- **आवारा मसीहा** - विष्णु प्रभाकर

UNIT-IV

- **हिंदी के श्रेष्ठ रेखाचित्र** सं. डॉ. चौथीराम यादव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- बैलगाड़ी, लछमा, बैसवाड़े से निराला, दन्त कथाओं में त्रिलोचन, एक कुत्ता और मैना

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. पितृसत्ता के नए रूप - सं. राजेन्द्र यादव, प्रभा खेतान, अभय कुमार दुबे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार विभुराम मिश्र, ज्योतीश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी गद्य विन्यास और विकास रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
4. यात्रा साहित्य विधा : शास्त्र और इतिहास बापूराम देसाई, विकास प्रकाशन, कानपुर
5. हिन्दी -यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास- मुरारीलाल शर्मा, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली
6. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी।
7. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण डा. विजय मोहन सिंह।

Paper-403

हिंदी महिला कथाकार

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. महिला कथाकारों का इतिहास के बारे में जानकारी मिल पाएगी।

2. साहित्य के क्षत्र में महिला कथाकारों की भूमिका को समझन में सहायता मिलेगी।
3. केवल पुरुष ही नहीं महिलाएं भी साहित्य कला के क्षेत्र में कैसे सशक्त और प्रभावशाली हो चुकी है उसका पता लगेगा।

UNIT-I

- महिला कथाकारों का इतिहास, स्वतंत्रता पूर्व महिला कथाकार

स्वातंत्र्योत्तर महिला कथाकार, प्रमुख महिला कथाकार कृष्णा सोबती

शिवानी, मृदुला गर्ग, मन्नू भंडारी, मैत्रेयी पुष्पा

UNIT-II

- **अन्या से अनन्या**- प्रभा खेतान

UNIT-III

- **नई सदी की पहचान**- श्रेष्ठ महिला कथाकार सं. ममता कालिया, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- सिक्का बदल गया, वापसी, बन्तो

UNIT-IV

महानगर की मैथिली, चमड़े की अहाता, आपकी छोटी लड़की

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रतिनिधि महिला कथा सृजन- सं. छबिल कुमार मेहेर, शबनम पुस्तक महल, कटक
2. हिन्दी का गद्य साहित्य -सं. प्रो. रामचंद्र तिवारी
3. महिला कहानीकार प्रतिनिधि कहानियाँ -सं. पुष्पपाल सिंह
4. स्वातंत्र्य पूर्व हिंदी महिला लेखिकाओं की कहानियों का अध्ययन- डॉ. आलीस वी. ए.
5. साठोत्तरी हिंदी कहानी और महिला लेखिकाएँ डॉ. विजय वार्ड (रागा)
6. हिन्दी की माहिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना डॉ. उषा यादव
7. हिन्दी कहानी और स्त्री विमर्श - उषा झा

Paper-404

भारतीय उपन्यास

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. भारतीय कथा साहित्य की जानकारी मिलेगी।
2. शोधार्थियों को तुलनात्मक अध्ययन करने में सहायता मिलेगी।
3. साथ ही भारतीय साहित्य कैसे एक दूसरे से प्रवृत्तिगत दृष्टि से जुड़े हुए हैं उसको समझ पाएंगे।
4. भारतीय साहित्य में गद्य साहित्य की एक प्रकार से जानकारी हासिल होगी।
5. तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन में सहायक होगा।

UNIT-I

छ माण आठ गुंठ- फकीर मोहन सेनापति

UNIT-II

- **जंगल के दावेदार** - आशापूर्णा देवी

UNIT-III

संस्कार - यु. आर. अनंतमूर्ति

UNIT-IV

- **चेम्मीन** - टी. शिवशंकर पिल्ले

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1.संस्कार, यू.आर. आनंतमूर्ति, अनुवादक-चंद्रकांता, कुसनुर, राधाकृष्ण प्रकाशन

2. आलोचन पत्रिका, नामवर सिंह

3. अधूरे साक्षात्कार, नेमिचन्द्र जैन, वाणी प्रकाशन

4. Realism and reality, Meenakhi Mukharjee, oxford university press

5. South Asia Research, Sage Publication

Paper-405

लघु शोध प्रबंध

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+Int. Ass.10+ End. Sem.-70]

Course Outcome:

1. इससे शोध चिंतन को प्रस्तुत करने में छात्र-छात्राओं को अवसर प्राप्त होगा
2. साथ ही जो शोध सिद्धांत बताया गया है उसे प्रयोग रूप में पेश करने का अवसर मिलेगा।
3. इसके जरिए भविष्य में शोध लेखन में सहयोग मिलेगा।
4. शोध का प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त होगा।

*****

GANGADHAR MEHER UNIVERSITY, SAMBALPUR, ODISHA